स्नातक (कला संकाय)

सेमेस्टर I

हिंदी साहित्य

प्रयोजनमूलक हिन्दी (माईनर प्रश्न पत्र)

क्रेडिट 2 **कुल अंक 100**

समयावधि 3 घण्टे **70 अंक लिखित एवं 30 अंक आंतरिक मूल्यांकन**

परीक्षा के लिए निर्देश–

प्रश्न पत्र कुल 100 अंक का होगा। 70 अंक की लिखित परीक्षा एवं 30 अंक का आंतरिक मूल्यांकन होगा।

1. सम्पूर्ण पाठ्यक्रम से 1–1 अंक के 10 अति लघूत्तरात्मक प्रश्न पूछे जायेंगे।
2. सम्पूर्ण पाठ्यक्रम से 5–5 अंक के 4 लघूत्तरात्मक प्रश्न आंतरिक विकल्प सहित पूछे जायेंगे।
3. सम्पूर्ण पाठ्यक्रम से 10–10 अंक के 4 आलोचनात्मक प्रश्न पूछे जायेंगे। सभी में आंतरिक विकल्प देय होगा।

प्रयोजनमूलक हिन्दी

OBJECTIVE भाषा के प्रयोजनपरक आयाम का सम्बन्ध हमारी सामाजिक आवश्यकताओं और जीवन व्यवहार से होता है और व्यक्तिपरक होकर भी जो समाज – सापेक्ष सेवा माध्यम (सर्विस– टूल्स) के रूप में प्रयुक्त होता है। जीवन और समाज की विभिन्न आवश्यकताओं और दायित्वों की पूर्ति के लिए विभिन्न व्यवहार क्षेत्रों (डोमेन) में उपयोग की जाने वाली हिन्दी प्रयोजनमूलक हिन्दी है। इस पाठ्यक्रम से विद्यार्थियों को कार्यालयों में कार्मिक के रूप में और भाषा अधिकारी के रूप में रोजगार पाने की प्रबल संभावना रहती है इसके साथ–साथ अन्यान्य क्षेत्रों में भी रोजगार मिलने की संभावना रहती है।	
UNIT – 1	हिन्दी के प्रयोजनमूलक भाषा रूप– क. हिन्दी भाषा के विविध रूप–सामान्य भाषा, मातृभाषा, माध्यम भाषा, सम्पर्क भाषा, अंतर्राष्ट्रीय भाषा। ख–प्रयोजनमूलक हिन्दीः परिभाषा एवं स्वरूप, प्रयोजनमूलक हिन्दी की विभिन्न प्रयुक्तियां।
UNIT – 2	क. सरकारी पत्राचारः स्वरूप, प्रकार, प्रारूप– परिपत्र, ज्ञापन कार्यालय आदेश, अर्द्ध सरकारी पत्र। ख. व्यावसायिक पत्रलेखनः स्वरूप, प्रकार, प्रारूप–आवेदनपत्र, नियुक्ति पत्र, मांगपत्र, साख पत्र, शिकायत पत्र।
UNIT – 3	कम्पयूटरः परिचय, रूपरेखा, हार्डवेयर तथा सॉफ्टवेयर का सामान्य परिचय,वेब पब्लिशिंग,इंटरनेट का सामान्य परिचय,हिन्दी में उपलब्ध सुविधाओं का परिचय और उपयोग विधि, इंटरनेट पोर्टल, डाउन लोडिंग–अपलोडिंग, लिंक ब्राउजिंग, हिन्दी सॉफ्टवेयर पैकेज आदि।
UNIT – 4	हिन्दी की प्रयोजनीयता में अनुवाद की भूमिका।

Dy. Registrar
Pandit Deendayal Upadhyaya
Shekhawati University,
Sikar(Rajasthan)

अनुशंसित ग्रंथ :

1. प्रयोजनमूलक हिन्दी – डॉ. दंगल झाल्टे
2. कामकाजी हिन्दी – डॉ. कैलाशचंद्र भाटिया
3. अनुवादः सिद्धांत व्यवहार – जयंती प्रसाद नौटियाल
4. प्रयोजनमूलक व्यावहारिक हिन्दी – डॉ. ओमप्रकाश सिंहल
5. प्रशासनिक हिन्दीः टिप्पण, प्रारूपण और पत्र लेखन – डॉ. हरिमोहन

Dy. Registrar
Pandit Deendayal Upadhyaya
Shekhawati University,
Sikar(Rajasthan)

पंडित दीनदयाल उपाध्याय शेखावाटी विश्वविद्यालय, सीकर

वेबसाईट: www.shekhauni.ac.in ई–मेल: reg.shekhauni@gmail.com दूरभाष नं.: 01572-232411

स्नातक (कला संकाय)

सेमेस्टर II

हिंदी साहित्य

हिन्दी भाषा एवं संप्रेषण कौशल (माईनर प्रश्न पत्र)

क्रेडिट 2 **कुल अंक 100**

समयावधि 3 घण्टे **70 अंक लिखित एवं 30 अंक आंतरिक मूल्यांकन**

उद्देश्यः

प्रयोजनमूलक हिन्दी व व्यावहारिक प्रयोग के लिए।

पाठ्यक्रम के अपेक्षित परिणाम

1. विविध क्षेत्रों में हिन्दी भाषा के स्वरूप एवं प्रयोग की जानकारी।
2. हिन्दी भाषा में लेखन कौशल और संप्रेषण में सक्षम।

परीक्षा के लिए निर्देश–

प्रश्न पत्र कुल 100 अंक का होगा। 70 अंक की लिखित परीक्षा एवं 30 अंक का आंतरिक मूल्यांकन होगा।

1. सम्पूर्ण पाठ्यक्रम से 1–1 अंक के 10 अति लघूत्तरात्मक प्रश्न पूछे जायेंगे।
2. सम्पूर्ण पाठ्यक्रम से 5–5 अंक के 4 लघूत्तरात्मक प्रश्न आंतरिक विकल्प सहित पूछे जायेंगे।
3. सम्पूर्ण पाठ्यक्रम से 10–10 अंक के 4 आलोचनात्मक प्रश्न पूछे जायेंगे। सभी में आंतरिक विकल्प देय होगा।

पाठ्यक्रम

इकाई I

हिन्दी भाषा का परिचय एवं हिन्दी भाषा के विविध रूप (राष्ट्रभाषा, सम्पर्क भाषा, राज भाषा, मानक भाषा एवं अन्य रूप)

इकाई II

हिन्दी भाषा के प्रयोग एवं चुनौतियां, सम्प्रेषण के विविध रूप (साक्षात्कार, भाषा, संवाद, सामूहिक चर्चा आदि)

इकाई III

देवनागरी लिपि का मानकीकरण, हिन्दी की महत्तवपूर्ण पत्र–पत्रिकाएं

इकाई IV

व्यावसायिक क्षेत्र की हिन्दी, व्यावहारिक लेखन कौशल

सहायक ग्रंथ

1. व्यावहारिक राजभाषा कोश – दिनेश चामोला
2. प्रयोजनमूलक हिन्दी – रघुनंदन प्रसाद शर्मा
3. रचनात्मक लेखन – रमेश गौतम
4. टेलीविजन लेखन – असगर वजाहत और प्रभात रंजन
5. संचार भाषा हिन्दी – सूर्यप्रसाद दीक्षित
6. ब्रेक के बाद – सुधीश पचौरी
7. जनसंचार माध्यम – भाषा और साहित्य – सुधीश पचौरी

Dy. Registrar
Pandit Deendayal Upadhyaya
Shekhawati University,
Sikar(Rajasthan)

पंडित दीनदयाल उपाध्याय शेखावाटी विश्वविद्यालय, सीकर
वेबसाईट: www.shekhauni.ac.in ई–मेल: reg.shekhauni@gmail.com दूरभाष नं.: 01572-232411

स्नातक (कला संकाय)
सेमेस्टर III
हिंदी साहित्य
राजस्थानी भाषा और साहित्य (माईनर प्रश्न पत्र)

क्रेडिट 4 **कुल अंक 100**

समयावधि 3 घण्टे **70 अंक लिखित एवं 30 अंक आंतरिक मूल्यांकन**

परीक्षा हेतु निर्देश–

प्रश्न पत्र कुल 100 अंक का होगा जिसमे 70 अंक की लिखित परीक्षा एवं 30 अंक का आंतरिक मूल्यांकन होगा।

- चारो इकाइयों से कुल 10 अतिलघूत्तरात्मक प्रश्न होंगे
  (प्रत्येक इकाई से कम से कम 2 प्रश्न) 1X10 = 10 अंक
- प्रत्येक इकाई से 1–1 लघूत्तरात्मक प्रश्न 05X04 = 20 अंक
  (प्रत्येक प्रश्न 5 अंक का होगा व आंतरिक विकल्प देय होगा)
- प्रत्येक इकाई से 1–1 आलोचनात्क प्रश्न 10X04 = 40 अंक
  (प्रत्येक प्रश्न 10 अंक का होगा व आंतरिक विकल्प देय होगा)

कुल = 70 अंक

राजस्थानी भाषा और साहित्य

UNIT – 1	क. राजस्थानी भाषाः उद्भव और विकास ख. राजस्थानी भाषा की बोलियां
UNIT – 2	क. राजस्थानी साहित्य का इतिहास ख. राजस्थानी साहित्य की प्रमुख विधाएं एवं प्रवृतियां
UNIT – 3	राजस्थानी के प्रमुख रचनाकार एवं रचनाएं
UNIT – 4	वीर सतसई– सूर्यमल्ल मिश्रण (1 से 25 छंद)
अनुशंसित ग्रंथ :	1. डॉ. मोतीलाल मेनारियाः राजस्थानी भाषा और साहित्य, हिन्दी साहित्य सम्मेलन, प्रयाग 2. राजस्थानी वेलि साहित्य – नरेन्द्र भानावत 3. हाड़ौती बोली और साहित्य – कन्हैयालाल शर्मा 4. राजस्थान के लोकगीत – स्वर्णलता अग्रवाल 5. राजस्थानी भाषा और साहित्य – मोतीलाल मेनारिया

Dy. Registrar
Pandit Deendayal Upadhyaya
Shekhawati University,
Sikar(Rajasthan)

पंडित दीनदयाल उपाध्याय शेखावाटी विश्वविद्यालय, सीकर
वेबसाईट: www.shekhauni.ac.in ई–मेल: reg.shekhauni@gmail.com दूरभाष नं.: 01572-232411

स्नातक (कला संकाय)

सेमेस्टर IV

हिंदी साहित्य

हिन्दी सिनेमा और साहित्य (माईनर प्रश्न पत्र)

क्रेडिट 4 कुल अंक 100

समयावधि 3 घण्टे 70 अंक लिखित एवं 30 अंक आंतरिक मूल्यांकन

हिन्दी सिनेमा और साहित्य

पाठ्यक्रम उद्देश्य:

- ❖ हिन्दी सिनेमा और साहित्य का विश्लेषणात्मक ज्ञान प्रदान करना।
- ❖ हिन्दी सिनेमा और साहित्य के प्रस्तुति माध्यमों का व्यावहारिक ज्ञान प्रदान करना।

पाठ्यक्रम अधिगम प्रतिफल

- ❖ सिनेमा और साहित्य के अंर्तसंबंध की सैद्वान्तिक समझ विकसित कर सकेंगे।
- ❖ तकनीक को जान–समझकर इस क्षेत्र में रोजगार की ओर बढ़ेंगे, साथ ही विद्यार्थियों में कौशल विकसित होगा।
- ❖ सिनेमा और साहित्य जगत के विश्लेषण की क्षमता पैदा होगी।

पाठ्यक्रम

इकाई I सिनेमा का स्वरूप, भारतीय सिनेमा का उद्भव, दर्शक और चित्रपट का संबंध, सिनेमा के प्रकार– कथात्मक, प्रयोगात्मक और दस्तावेज

इकाई II सिनेमा का इतिहास, सिनेमा का आरंभिक युग साठ के दशक और उसके बाद का न्यू वेब सिनेमा, इन्टरनेट और सिनेमा

इकाई III दूरदर्शन और साहित्य का सबंधं (गोदान के विशेष संदर्भ में)

इकाई IV साहित्यिक कृतियों पर बनी हिन्दी फिल्में और उनका समाज पर प्रभाव:, तीसरी कसम (1966) शतरंज के खिलाडी (1977), रजनीगंधा (1974)

परीक्षा हेतु निर्देश–

प्रश्न पत्र कुल 100 अंक का होगा जिसमे 70 अंक की लिखित परीक्षा एवं 30 अंक का आंतरिक मूल्यांकन होगा।

- ❖ चारों इकाइयों से कुल 10 अतिलघूत्तरात्मक प्रश्न होंगे
  (प्रत्येक इकाई से कम से कम 2 प्रश्न) 1X10 = 10 अंक
- ❖ प्रत्येक इकाई से 1–1 लघूत्तरात्मक प्रश्न 05X04 = 20 अंक
  (प्रत्येक प्रश्न 5 अंक का होगा व आंतरिक विकल्प देय होगा)
- ❖ प्रत्येक इकाई से 1–1 आलोचनात्क प्रश्न 10X04 = 40 अंक
  (प्रत्येक प्रश्न 10 अंक का होगा व आंतरिक विकल्प देय होगा)

कुल = 70 अंक

Dy. Registrar
Pandit Deendayal Upadhyaya
Shekhawati University,
Sikar(Rajasthan)

पाठ्यक्रम हेतु सहायक पुस्तकें :–

लेखक का सिनेमा	–	कुंवर नारायण
पटकथा	–	मनोहर श्याम जोशी
हिन्दी सिनेमा–सदी का सफर	–	अनिल भार्गव
सिनेमा और साहित्य	–	सुनील कुमार तिवारी
सिनेमा और समाज	–	पूरणचंद टंडन
भारतीय सिनेमा का सफरनामा	–	जयसिंह
सिनेमा का समय और इतिहास	–	संजीव श्रीवास्तव
सिनेमा का जादुई सफर	–	प्रताप सिंह
दो गुलफामों की तीसरी कसम	–	अनंत (केकत प्रकाशन)
यही सच है	–	मन्नू भंडारी

Dy. Registrar
Pandit Deendayal Upadhyaya
Shekhawati University,
Sikar(Rajasthan)